Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

पाठ 7 शेखचिल्ली का सपना

कठिन शब्द (तीन-तीन बार लिखो।)

1 अम्मी

2 तलाश

मस्ती

इनसान

तकदीर

व्यवसाय

शानदार

नवाब

दुग्धशाला

जायदाद

(P.T.O)

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

शब्द	अर्थ
अम्मी	माँ
तलाश	खोज
मस्ती में	मौज में
इनसान	आदमी
तकदीर	भाग्य
व्यवसाय	व्यापार
अमीर	धनी
शानदार	बहुत अच्छा
नवाब	रईसों की एक उपाधि
दुग्धशाला	दूध इकट्ठा करके रखने का स्थान
जायदाद	धन-संपत्ति

सही विकल्प

1 काम की तलाश में कौन घर से निकल पड़ा?

उत्तर शेखचिल्ली

2 टोकरी में क्या थे?

उत्तर अंडे

3 अंडे बेचकर शेखचिल्ली क्या खरीदना चाहता था?

उत्तर भैंसे

4 शेखचिल्ली किसकी बेटी से शादी करने का सपना देखने लगा?

उत्तर नवाब की

5 शेखचिल्ली ने किसके अंडे तोड़ दिए?

उत्तर सेठजी के

मौखिक प्रश्न

1 शेखचिल्ली घर से बाहर क्यों निकल पड़ा?

उत्तर शेखचिल्ली घर से बाहर काम की तलाश में निकल पड़ा।

(P.T.O)

प्रश्न 2 सेठ ने अंडों का टोकरा ढोने के बदले शेखचिल्ली को क्या देने की बात कही?

उत्तर सेठ ने अंडों का टोकरा ढोने के बदले शेखचिल्ली को दो अंडे देने की बात कही।

प्रश्न 3 सेठ आग-बबूला क्यों हो गया?

उत्तर शेखचिल्ली ने अपने सिर पर रखे टोकरे को झटके से सामने फेंक दिया, जिससे सारे अंडे टूट गए इसलिए सेठ आग-बबूला हो गया।

प्रश्न 4 इस कहानी का अंत आपको कैसा लगा?

उत्तर इस कहानी का अंत पढ़ने में अच्छा लगा पर कोई भी सपना बिना परिश्रम के पूरा नहीं हो सकता।

लिखित

प्रश्न 1 माँ ने शेखचिल्ली से क्या कहा?

उत्तर माँ ने शेखचिल्ली से कहा अब मैं बूढ़ी हो गई हूँ मुझसे काम नहीं होता इसलिए अब तुम कोई काम धंधा शुरू करो।

प्रश्न 2 रास्ते में कौन खड़ा था? उसने शेखचिल्ली से क्या कहा?

उत्तर रास्ते में एक सेठ खड़ा था। उसने शेखचिल्ली से अंडे का टोकरा घर तक पहुचाने को कहा।

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

प्रश्न 3 शेखचिल्ली को ऐसा क्यों लगा कि उसके पास बहुत सी मुर्गियाँ हो जाएँगी।

उत्तर सेठ ने शेखचिल्ली को दो अंडे दिए थे इस कारण उसे लगा दो अंडो से उसके पास बहुत सी मुर्गियाँ हो जाएँगी।

प्रश्न 4 सारे अंडे कैसे टूट गए?

उत्तर सपना देखते-देखते शेखचिल्ली ने अपने सिर पर रखे टोकरे को झटके से फेंक दिया, जिससे सारे अंडे टूट गए।

प्रश्न 5 अंडे टूटने से भी ज्यादा शेखचिल्ली को क्या अफसोस हो रहा था?

उत्तर अंडे टूटने से भी ज्यादा शेखचिल्ली को अपने सपने टूटने का अफसोस हो रहा था।